

बस भोले- बस भोले स्वामी है तू
 इस लोक का- भूलोक का
 बाबा इस लोक का भूलोक का
 मेरे औदरदानी बाबा ^{SSSS} देना सहारा ^{SSSS}
 रोते हुये दिल ने बाबा- तुझको पुकारा ^{SSS}

बस भोले- बस भोले- ----

जतों बीच तेरे गंगा सोहे-
 तिलक त्रपुण्ड लगाया है ^{SSSS} लगाया है ^{SSS}
 चंदा सोहे भाल पे तेरे
 नीलकंठ कहलाया है ^{SSSS} कहलाया है ^{SSS}
 ओ शिंगी बाले बाबा ^{SSSSSS} देना सहारा ^{SS}
 मुश्किलों ने मुझको घेरा ^{SSS} दूर कर अंधेरा ^{SSS}

बस भोले- बस भोले- ----

नाग गले में बड़े बिषैले
 उगैर भुजंग लिपटाये हो ^{SSSSS} लिपटाये हो ^{SSS}
 कालों के लुम महाकाल हो
 भंग का गोला खाये हो ^{SSSS} बाबा खाये हो ^{SSS}
 वृषधारी ^{SSSS} मेरे बाबा ^{SSSSS} दे दो सहारा
 तेरी ही दया- से- मैंने ^{SSSSS} पाया तेरा द्वारा ^{SSSS}

बस भोले- बस भोले- ----

बड़े - बड़े असुरों को तुमने
 पल में वर दे डाला है ॥३३॥ दे डाला है ॥३३॥
 खुद भागे हो तीन लोक में
 पड़ा भगत से पाला है ॥३३॥ बाबा पाला है ॥३३॥
 ओ कैलाशी बाबा ॥३३॥ देना सहारा ॥३३॥
 आप ना- सुनोगे तो फिर कौन है हमारा

बस भोले-बस भोले-----

तेरी महिमा तू ही जाने
 पार तेरा न पाया है ॥३३॥ न पाया है ॥३३॥
 दीन भाव से जो भी पुकारे
 उसका कष्ट मिटाया है ॥३३॥ मिटाया है ॥३३॥
 ओ उमरू बाले बाबा ॥३३॥ तेरा सहारा ॥३३॥
 हर मुश्किलों में बाबा तूने-दौड़ के उबारा ॥३३॥

बस भोले-बस भोले-----

धूना लगाये भस्म रमाये
 तप में ही मतवाले हो ॥३३॥ मतवाले हो ॥३३॥
 आने वाली कठिन बड़ी में
 तू ही तो रखवाले हो ॥३३॥ रखवाले हो ॥३३॥
 तीन लोक के स्वामी ॥३३॥ तेरा सहारा
 "श्री बाबा श्री" भोले-दास है तुम्हारा ॥३३॥

बस भोले-बस भोले-----